an>

title: Need to issue directions to all airline companies to acquire ATR aeroplanes to make use of small terminals in various parts of the country.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): **उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुमति दी है।**

महोदय, मेरा यह कहना है कि टर्मिनल बिल्डिंग जहां-जहां बन गयी है, वहां सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को एटीआर खरीदने के लिए निर्देश देने चाहिए। उनका कहना है कि डीजीसीए ने इसको प्राइवेट कर दिया है और इसके लिए एयरलाइंस फ्री हैं। वह अगर अफोर्ड कर सकते हैं तो लेंगे। मैं बीकानेर संसदीय क्षेत्र से आता हूं और हमारे यहां भी टर्मिनल की बिल्डिंग बन चुकी है और जैसलमेर में भी बन गयी है। लेकिन नागर विमानन मंत्रालय कहता है कि हम किसी भी एयरलाइंस को निर्देशित नहीं कर सकते हैं कि आप वहां हवाई सेवा शुरू कीजिए। मेरा कहना है कि प्लानिंग के समय ही यह तय क्यों नहीं होता है कि यात्री भार मिलेगा या नहीं। आपने कहीं 9, कहीं 10, कहीं 15 और कहीं 30 करोड़ रुपये लगाए हैं। देश के कई भागों में टर्मिनल बिल्डिंग बनकर तैयार हैं। They are ready to operate. लेकिन एयरलाइंसिस कहती हैं कि यह अफोर्डेबल नहीं है, इसलिए हम इसको शुरू नहीं कर सकते हैं।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह कहना है कि आप नागर विमानन मंत्रालय को यह निर्देशित करें कि जहां-जहां टर्मिनल बिल्डिंग बन गयी है, वहां एटीआर खरीदें, चाहे वह एयर इंडिया से खरीदें। It is not necessary कि वह जेट या इंडिगो से जाएं। ATR is a small plane. यह 32 सिटर है और बीकानेर और जैसलमेर से यात्री भार भी मिल जाएगा। इसके अलावा आप यह भी कर सकते हैं कि राजस्थान के टूरिस्ट प्लेसिस, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, जयपुर और अजमेर को भी जोड़ सकते हैं और आगरा तक जा सकते हैं। ऐसे छोटे एटीआर अगर आप खरीदेंगे तो यात्री भार भी मिलेगा और जो एयरपोर्ट की बिल्डिंग तैयार हो गयी है, जिनका उद्घाटन हो गया है और टर्मिनल बिल्डिंग रेडी है, उनको भी ऑपरेशन का मौका मिलेगा और सरकार ने जो पैसा लगाया है, उसका भी यूज़ होगा।...(व्यवधान) अनुराग जी कह रहे हैं कि शिमला और धर्मशाला भी जोड़ सकते हैं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER:

Shri Gajendra Singh Shekhawat is permitted to associate with the matter raised by Shri Arjun Ram Meghwal.